अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 20.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

पुण्य-पाप–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

पुण्य–किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) उच्च गोत्र की परिभाषा व विशेषताओं का वर्णन करें।

(ख) समाधि किसे कहते हैं? समझाएं।

(ग) दीर्घ आयुष्य बंध के हेतु लिखें।

(घ) पुण्य की परिभाषा लिखें।

(ड़) प्रवचन प्रभावना का क्या अर्थ है?

(च) आगम में कही चार दुर्लभ बातें कौन-सी है।

पाप–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(छ) अन्तराय कर्म किसे कहते हैं? परिभाषा लिखें।

(ज) अघाती कर्म की परिभाषा लिखें।

(झ) सम्यक् मिथ्यात्व और सम्यक्त्व मोहनीय को पाप प्रकृत्तियों में क्यों नहीं लिया गया?

(ञ) अप्रशस्त विहायोगति नाम को समझाएं।

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **पुण्य–**

कल्याणकारी तथा अकल्याणकारी कर्मों के बंध के हेतुओं में से प्रथम पांच का उल्लेख करें।

अथवा

तीर्थंकर गोत्रबंध के कितने हेतु हैं? केवल नाम लिखें।

(ख) **पाप–**

सिद्ध करें कि पाप स्वयंकृत है।

अथवा

जीव भारी और हल्का कैसे होता है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 24

(क) **पुण्य–**

निदान कर्म का क्या फल होता है?

अथवा

शुभ नामकर्म और उसकी उत्तर प्रकृतियों का वर्णन करें। (प्रथम ग्यारह)।

(ख) **पाप–**

नोकषाय की नौ प्रकृतियों को समझाएं।

अथवा

सिद्ध करें पाप कर्म पुद्गल रूपी पदार्थ है।

अवबोध (निर्जरा से देवगति तक)–30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें– 6

(क) पहले व दूसरे देवलोक के देवों का अवधिज्ञान कितना है?

(ख) देवताओं का आहार कौन-सा होता है?

(ग) एक साथ कितने तीर्थंकर सिद्ध हो सकते हैं?

(घ) चौदहवें गुणस्थान में कौन-सी निर्जरा होती है?

(ड़) मोक्ष कहां है?

(च) किल्विषिक देव कौन हैं?

(छ) पहले निर्जरा होती है या पुण्य का बन्ध?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखें– 12

(क) देवों में क्षयोपशम के कितने प्रकार हैं?

(ख) सिद्ध क्या करते हैं?

(ग) एकेन्द्रिय के भी क्या एकाभवतारी जीव होते हैं?

(घ) देवलोक से देव च्युत होकर कहां-कहां जाते हैं?

(ड़) व्यंतर देव कहां रहते हैं?

(च) क्या सिद्धों की कोई अवगाहना भी है?

(छ) स्थिति बंध किसे कहते हैं?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखें– 12

(क) समुद्घात किसे कहते हैं? इसके कितने प्रकार हैं? नाम लिखें व प्रथम तीन को समझाएं।

(ख) भवनपति व वैमानिक देव कहां रहते हैं?

(ग) कर्मबंध के हेतु कौन-कौन से हैं?

(घ) क्षयोपशम के 32 गुण निर्जराजन्य है, क्या क्षायक व उपशम के गुण भी निर्जरा जन्य हैं?

गीतिका (दस दान, अठारह पाप)–20

प्र. 7 किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 4

(क) दान देते समय कौन सी तीन चीजें शुद्ध होने से बड़ा लाभ मिलता है?

(ख) चौथ दान कौन सा है?

(ग) किन-किन आगमों के आधार पर व्रत-अव्रत का पृथक्करण किया गया है?

(घ) कौन से व्यक्ति विरले होते हैं?

(ड़) असंयती को शुद्ध भोजन खिलाना क्या है?

प्र. 8 पद्य पूर्ण करें (अर्थ सहित) कोई चार– 16

(क) जूनो छै.....नहीं ए।।

(ख) जो थोड़ो.....सरधियो ए।।

(ग) आणंद.....पाधरी ए।।

(घ) छोड़ावे.....आज्ञा बार ए।।

(ड़) छः काय.....आय ए।।

(च) इम सांभल.....भाष ए।।